सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 59 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 3 अप्रैल, 2023
मूल्य ₹ 3/-

यदि आपका प्रिय सौ बार भी रूठे, तो भी रूठे हुए प्रिय को मनाना चाहिए,क्योंकि यदि मोतियों की माला टूट जाए तो उन मोतियों को बार-बार धागे में पिरो लेना चाहिए।
–रहीम दास

बुजुर्गों का कोटा काटकर अमीर नहीं... 2
कांग्रेस करेगी बीजेपी के भ्रष्टाचार... 3
जहां भाजपा कमजोर वहां पर... 7

राहुल की अपील पर भी सियासत

मानहानि मामले में फैसले के खिलाफ सूरत पहुंचे कांग्रेस नेता

» भाजपा ने बताया न्याय व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानहानि मामले में दो साल की सजा व अपनी सदस्यता रद करने के फैसले के खिलाफ राहुल गांधी सूरत के कोर्ट में पहुंच गए हैं। वह 11 दिन बाद अपील करने जा रहे हैं। सूरत के लिए कांग्रेस नेता ने दिल्ली एयरपोर्ट से इंडिगो की फ्लाइट पकड़ी। राहुल के साथ कांग्रेस के कई अन्य नेता भी वहां पहुंचे हैं।

उधर उनके अपील करने पर सियासत भी जोरों पर जारी है। भाजपा ने कहा वह अपील करने जा रहें या न्याय व्यवस्था को प्रभावित करने। वहीं कांग्रेस ने कहा है कि वह अपने नेता के साथ पूरे जोश के साथ खड़ी है।

वह आज बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और तीन कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों- अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और सुखविंदर सिंह सुक्खू के साथ सूरत गए। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष दोषसिद्धि पर अंतरिम रोक लगाने की भी मांग करेंगे, जिससे उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल हो जाएगी।

मैं अपने नेता के साथ जा रहा हूं : बघेल

कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, मैं अपने नेता (राहुल गांधी) के साथ जा रहा हूं, यह न्यायपालिका पर दबाव कैसे हो सकता है? वे (भाजपा) पश्चिम बंगाल और बिहार में हुड़दंग कर रहे हैं। अभी तक पीएम मोदी और अमित शाह की ओर से कोई अपील नहीं आई है। इनकी ट्रेनिंग ही यही है। ये लोग सिर्फ दंगा करवाते हैं।

न्यायपालिका पर कोई दबाव नहीं बना सकता : सुक्खू

कानून मंत्री किरण रिजिजू के बयान पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, कि न्यायपालिका पर कोई दबाव नहीं बना सकता। हम सूरत जा रहे हैं। कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी है और राहुल गांधी हमारी पार्टी के बड़े नेता हैं। यह कोई राजनीतिक नाटक नहीं है। हम उनके साथ खड़े हैं...।

न्यायालय के बाहर जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में सूरत में जिला एवं सत्र न्यायालय के बाहर इकट्ठा हुए हैं।

हम सरकार के खिलाफ लड़ सकते हैं : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम अदालत के फैसले पर बहस नहीं कर सकते लेकिन हम केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ सकते हैं। वे (केंद्र) अदाणी विवाद में जेपीसी नहीं बनाना चाहते। उनकी योजना है कि सदन न चले।

पुलिस बल तैनात

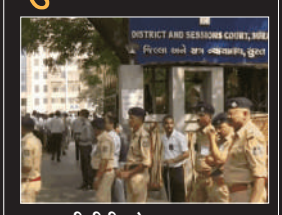

सूरत डीसीपी जोन-4 सागर बागमार ने कहा, जिला अदालत में राहुल गांधी की उपस्थिति को देखते हुए सूरत शहर की पुलिस ने जहां भी आवाजाही की संभावना है, वहां पुलिस बल तैनात कर दिया है। हम भी तलाशी और जांच शुरू करेंगे।

मुख्यमंत्रियों को लेकर क्यों जा रहे : रविशंकर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2019 के मानहानि मामले में मिली 2 साल की सजा के खिलाफ गुजरात की एक अदालत में अपील करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने इस मुद्दे पर कहा कि अपील करने जाएं उनका अधिकार है। लेकिन पूरे मुख्यमंत्रियों को लेकर क्या न्याय व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। ये बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना रवैया है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उनके इस व्यवहार से मैं काफी दुखित हूं, यह क्या किया जा रहा है।

संसद में हंगामा : लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही ठप

» राहुल ने कई बार पिछड़ों का अपमान किया है-अनुराग ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण के चौथे हफ्ते कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। कई दिनों के अवकाश के बाद लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई पर विपक्ष व सत्ता पक्ष के हंगामें की वजह से इसे दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। बता दें कि इस दौरान कांग्रेस सांसद लोकसभा में काले कपड़े पहनकर पहुंचे थे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम अदालत के फैसले पर बहस नहीं कर सकते, लेकिन हम केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं। केंद्र अदाणी विवाद में जेपीसी नहीं बनाना चाहता है। उनकी योजना है कि सदन न चलें इससे पहले कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने नियम 267 के तहत राज्यसभा में सस्पेंशन ऑफ बिजनेस का नोटिस दिया है। उन्होंने अदाणी समूह पर धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और वित्तीय कुप्रबंधन के आरोपों की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन में सरकार की विफलता पर चर्चा करने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल ने एक बार नहीं बल्कि कई बार पिछड़ों का अपमान करने का काम किया है। दुख इस बात का है कि कांग्रेस ने माफी मांगना तो दूर, दबाव बनाने और डराने का काम कर रही है। राहुल गांधी ने एक बार नहीं बल्कि कई बार पिछड़ो का अपमान करने का काम किया है। दुख इस बात का है कि कांग्रेस ने माफी मांगना तो दूर, दबाव बनाने और डराने का काम कर रही है। जब 3 वर्ष थे तब तो इनके साथ कोई नहीं गया।

बिहार विस में कोहराम,हिंसा को लेकर सरकार व बीजेपी में नोक-झोंक

पटना। बिहार के सासाराम और बिहारशरीफ में रामनवमी के दिन भड़की सांप्रदायिक हिंसा और उसके बाद हुई घटनाओं की धमक सोमवार को बिहार विधानसभा में महसूस हुई। बीजेपी इस मुद्दे पर पूरी तरह से हमलावर दिखी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विफल कानून व्यवस्था का आरोप लगातर इस्तीफा देने की मांग की। बता दें कि बीजेपी ने विधानसभा में प्रश्नकाल के शुरू होते ही रामनवमी पर हुए हंगामे का मुद्दा का उठाया। पार्टी विधायकों ने हिंसा को लेकर सरकार पर कई आरोप लगाए और खूब हंगामा किया। पार्टी ने प्रदेश में जंगलराज रिटर्न्स का आरोप लगाया। सवाल उठाते है सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गया. बीजेपी नेता वेल में उतरकर हंगामा करने लगे। इधर, हंगामा बढ़ते देख विधानसभा स्पीकर अवध बिहारी चौधरी ने सदन की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगीत कर दी।

भाजपा को शहरों से उखाड़ फेकेंगे : अखिलेश

» कहा- एक अप्रैल से दवाइयां महंगी होने से इलाज हुआ और महंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा के झूठ को उजागर कर जनता के सामने उठाएंगे। उन्होंने कहा इस चुनाव में भाजपा को पूरी टक्कर देकर उसको उखाड़ फेंकेंगे। इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता तैयार हो जाएं। पार्टी अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत कर चुनाव लड़ेगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने स्मार्ट सिटी के नाम पर जनता को धोखा दिया है। नगरों में कूड़ा भरा पड़ा है। नालियों में गंदगी है। सफाई नहीं है। व्यापारी परेशान है। नगर निकाय चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी।

सरकार के झूठ को करेंगे उजागर

एक अप्रैल से दवाइयां महंगी हो गई। इलाज महंगा हो गया। झूठ को सच दिखाने के लिए 200 करोड़ रूपये खर्च कर अमेरिकी एजेंसी की मदद ली जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि ओलावृष्टि से किसानों की फसल तबाह हो गई है। भाजपा ने फसल बीमा का प्रचार किया था, लेकिन किसानों को कुछ नहीं मिल रहा है। भाजपा ने बीमा कम्पनियों का मुनाफा कराया लेकिन किसान की मदद नहीं हुई। आलू किसान बर्बाद हो गया।

किसान को लागत भी नहीं मिल पा रही है। सरकार के पास गेहूं खरीद की कोई तैयारी नहीं है। न बोरा है और न अन्य इंतजाम। किसानों के धान, आलू की खरीद नहीं हुई, अब गेहूं के साथ भी वही हाल होगा।

कांशीराम के जरिए दलित एजेंडे को धार देगी सपा

समाजवादी पार्टी अब कांशीराम के जरिए दलित एजेंडे को धार देगी। पार्टी की रणनीति है कि जातीय जनगणना, संविधान रक्षा के साथ कांशीराम के समता और स्वाभिमान के संदेश को भी जन- जन तक पहुंचाया जाएगा। इसकी शुरुआत सोमवार को कांशीराम की मूर्ति के अनावरण समारोह के साथ हुई। यह मूर्ति रायबरेली के दीन शाह गौरा ब्लॉक स्थित मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय में लगी। समाजवादी पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि सपा के मूल वोटबैंक के साथ दलित वोटबैंक जुड़ जाए तो सियासी वैतरणी आसानी से पार की जा सकती है। इसी रणनीति के तहत सपा ने लोहियावादियों के साथ अंबेडकरवादियों को एक मंच पर लाने की कोशिश की। बाबा साहब वाहिनी का गठन किया गया। पार्टी के दलित नेता अवधेश प्रसाद को न सिर्फ विधानसभा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बगल की कुर्सी दी गई बल्कि राष्ट्रीय सम्मेलन में भी वह साथ- साथ नजर आए।

1993 जैसी लहर लाने की कोशिश

सपा संस्थापक रहे स्व. मुलायम सिंह यादव ने 1991 में इटावा से बसपा संस्थापक स्व. कांशीराम को चुनाव लड़ाया। इस चुनाव में भाजपा ने मुलायम सिंह के सहयोगी राम सिंह शाक्य को मैदान में उतार दिया। कांशीराम को जीत मिली और यहीं से दोनों की दोस्ती गहरी होती चली गई। वर्ष 1993 में मुलायम सिंह यादव ने कांशीराम से दोस्ती कर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ा। सपा को 109 और बसपा को 67 सीटें मिली। गठबंधन ने 176 सीटें के साथ अन्य दलों को जोड़ा और मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने। लेकिन दो जून 1995 को बसपा ने समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन हुआ। बसपा प्रमुख मायावती ने सभी गिले-शिकवे भूलने की बात करते हुए वोट मांगा। बसपा को 10 और सपा को पांच सीटें मिली। कुछ समय बाद यह गठबंधन टूट गया। विधानसभा चुनाव 2022 से ठीक पहले बसपा ही नहीं बल्कि बसपा पृष्ठभूमि से निकलकर भाजपा में जाने वाले तमाम नेताओं ने सपा का रूख किया।

बुजुर्गों का कोटा काटकर अमीर नहीं हो जाएगा केंद्र : केजरीवाल

» दिल्ली के सीएम ने लिखी पीएम को चिट्ठी, बोले-रेल यात्रा में रियायत करें बहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखते हुए बड़ी अपील की है। उन्होंने रेलवे में दिए जाने वाले बुजुर्ग कोटा को फिर से बहाल करने की विनती की है। उन्होंने कहा कोटा जारी रखने से केंद्र गरीब नही हो जाएगा।

केजरीवाल ने चिट्ठी ट्वीट करते हुए लिखा, रेल में बुजुर्गों को मिलने वाली रियायत को कृपया बंद ना कीजिए। इस रियायत से करोड़ों बुजुर्गों को फायदा हो रहा है। रेल में बुजुर्गों को मिलने वाली रियायत को कृपया बंद ना कीजिए। इस रियायत से करोड़ों बुजुर्गों को फ़ायदा हो रहा है। देश के बुजुर्गों को पिछले कई सालों से रेल यात्रा में 50 प्रतिशत तक की छूट मिल रही थी। इसका लाभ देश के करोड़ों बुजुर्गों को मिल रहा था। आपकी सरकार ने इस छूट को समाप्त कर दिया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले दिनों लोकसभा में आपकी सरकार ने बताया कि रेल यात्रा में बुजुगों को दी जा रही छूट को बंद करने से सालाना 1600 करोड़ रुपयों की बचत हो रही है।

समुद्र में बूंद जैसी है 1600 करोड़ की राशि

सर बात पैसे की नहीं है। बात नीयत की है। दिल्ली सरकार अपने 70,000 करोड़ के बजट में से बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा पर अगर 50 करोड़ खर्च कर देती है तो दिल्ली सरकार कोई गरीब नहीं हो जाती। आने वाले साल में केंद्र सरकार 45 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसमें बुजुर्गों की रेल यात्रा में छूट पर मात्र 1600 करोड़ खर्च होते हैं। ये राशि समुद्र में एक बूंद जैसे है। इसके खर्च ना करने से कोई केंद्र सरकार अमीर नहीं हो जाएगी और इसके खर्च करने से केंद्र सरकार गरीब नहीं हो जायेगी। लेकिन जब इसे रोका जाता है तो हम एक तरह से अपने बुजुर्गों को संदेश दे रहे हैं कि हम आपकी परवाह नहीं करते। ये बहुत गलत है। ये भारतीय संस्कृति के खिलाफ है। मैंने कई बुजुगों से बात की। रेल यात्रा में दी जा रही यह छोटी सी रियायत उनके लिए बड़ा मायने रखती है। अतः मेरी आपसे विनती है कि बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द से जल्द इस रियायत को बहाल करने का कष्ट करें।

निकाय चुनाव में हो सकता है सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग : मायावती

» बोलीं- क्षेत्र के लोगों की आवाज उठाने वाले को मिलेगा टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख व पूर्व यूपी सीएम मायावती ने कहा कि आगामी निकाय चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग हो सकता है ऐसें में इस कुचक्र को तोड़ना होगा। बसपा सुप्रीमो सभी कोआर्डिनेटरों, जिलाध्यक्षों के साथ मायावती ने शहरी निकाय चुनाव को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में उम्मीदवारों का चयन सोच-समझकर किया जाए। उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दें जो अपने क्षेत्र के लोगों के बीच रहते हों। उनकी आवाज उठाते हों।

बनहजी ने कहा कि चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग तथा विरोधियों के हथकंडों से खुद को बचाना है। कुचक्रों को तोड़ना है। लोग इस समय महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल कानून व्यवस्था से त्रस्त हैं। भाजपा इन सब मुद्दों पर फेल हो गई है। स्मार्ट सिटी अभियान केवल कागजों में हैं । शहरों की तो छोड़ो, गांवों तक की हालत खराब है। इस सरकार ने सब कुछ ठेके पर कर दिया है। इस ठेका प्रथा के चलते स्थाई नौकरी लोगों के लिए दूर का सपना हो गई है । सरकार शह खर्चीला विकास कर ढिंढोरा पीट रही है। विकास तो केवल मुट्ठी भर सत्ताधारी लोगों का हुआ है।

सपा के गलत रवैये से टूटा गठबंधन

सपा की दलित, अति पिछड़ा व मुस्लिम समाज के प्रति खराब सोच व गलत रवैये के कारण ही पहले भी सपा बसपा का गठबंधन टूटा था। आज भी सपा भाजपा से लड़ने की बजाय बसपा को कमजोर करने का काम करने से बाज नहीं आ रही है। इसका लाभ भाजपा उठा रही है। जनता को सब याद है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यदि आज सपा कांशीराम के नाम को भुनाने की पैंतरे बाजी कर रही है जबकि उनका कांशीराम के प्रति अहसान फरामोशी का इतिहास लोगों के सामने है। इसके कारण ही वर्ष 1995 में गेस्ट हाउस कांड हुआ और सपा बसपा का गठबंधन टूटा। सपा अगर कांशीराम की मिशनरी सोच के साथ गठबंधन सरकार चलाती रहती तो यह गठबंधन आज देश पर राज कर रहा होता। इसी का लाभ आज भाजपा उठा रही है। वह निकाय चुनाव के मद्देनजर पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक ले रहीं थीं।

युवा संविधान, मूल्य और संस्कृति के रक्षक : कमलनाथ

» बोले-सच का साथ देने से राज्य में सुरक्षित रहेंगी माताएं-बहनें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र के पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति आध्यात्मिक शक्ति है। नई पीढ़ी सामाजिक मूल्यों से फिसल रही है। विश्व ताज्जुब से देख रहा है कि एक झंडे के नीचे भारत है। भाईचारा हमारी संस्कृति है। आप देश के संविधान, मूल्य और संस्कृति के रक्षक हैं। नाथ ने कहा कि एमपी में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो छत्तीसगढ़ की तर्ज पर एमपी में तेली घानी बोर्ड बनाएंगे। तेली समाज के लिए भवन भी बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आप लोग सच्चाई का साथ देना। मेरा या पार्टी का मत देना। सच्चाई का साथ देने पर एमपी में माता-बहन समेत जनता सुरक्षित रहेगी। सकल तेली साहू राठौर समाज महा संगठन का महाकुंभ जंबूरी मैदान में हुआ। रविवार को कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व सीएम कमलनाथ भी शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज ने राजनीति में अपने प्रतिनिधित्व की मांग की। सीएम और पूर्व सीएम दोनों ने तेल घानी बोर्ड के गठन का वादा किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

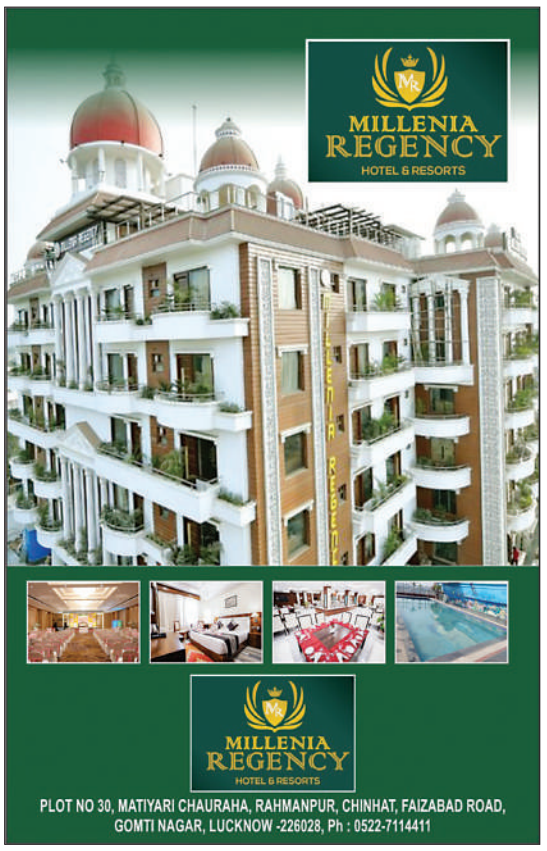

कांग्रेस करेगी बीजेपी के भ्रष्टाचार पर वार

कर्नाटक में झटका खा सकती है बोम्मई सरकार

» सिद्धारमैया का पलड़ा भारी, बढ़ रही जनता में पैठ
» येदियुरप्पा और देवेगौड़ा का भी पड़ेगा प्रभाव
» अलग-अलग लग रहे कयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। दक्षिण के दंगल का बिगुल बज गया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के साथ ही पार्टियों ने कमर कस ली है। अभी तक जिस तरह का माहौल बन रहा है उसमें कांग्रेस की स्थिती मजबूत लग रही है। वहां की बीजेपी सरकार को भ्रष्टाचार के मामले में जैसे वह घेर रही उससे जनता के बीच उसकी छवि मजबूत हो रही जबकि भाजपा को बगले झांकनी पर रही है। राज्य के जनता के बीच हुए सर्वे में कांग्रेस का पलड़ा भारी लग रहा है। बीजेपी को सत्ता विरोधी लहर का भी नुकसान उठाना पड़ सकता हैं।

हालांकि कई तरह के सर्वे किए गए कहीं पर दोनों में टक्कर भी दिख रहा है। खैर 13 मई को पता चल जाएगा किसका पलड़ा भारी पड़ता है। कर्नाटक में भले ही अभी बीजेपी की सरकार है लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव का नतीजा त्रिशंकु रहा था। 2008 में भी कर्नाटक में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। इस बार के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस दोनों की ओर से दावों का दौर शुरू हो गया है। सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा है कि बीजेपी फिर बहुमत से सरकार बनाएगी। उधर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार कह रहे हैं कि कांग्रेस पूरी तरह तैयार है। वहीं जेडीएस भी मैदान में दावेदारी ठोक रही है। आइए जानते हैं कर्नाटक में आए हाल के कुछ सर्वे में किस पार्टी को कितनी सीटें मिल रही हैं।

लोक पोल के ओपिनियन पोल में कांग्रेस कर्नाटक में सरकार बनाती दिख रही है। कांग्रेस को इस सर्वे में 116 से 123 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। वहीं बीजेपी को 77 से 83 और जेडीएस को 21 से 27 सीटें मिल सकती हैं। अन्य के खाते में एक से 4 सीटें जा सकती हैं। लोक पोल का दावा है कि इस सर्वे के लिए 45 हजार लोगों की राय ली गई और 45 दिन तक चुनावी विश्लेषकों के रिसर्च के बाद इसके नतीजे आए हैं। वोट प्रतिशत की बात करें तो इस सर्वे में कांग्रेस को 39 से 42 प्रतिशत वोट मिलते दिख रहे हैं। वहीं बीजेपी को 33-36 प्रतिशत और जेडीएस को 15 से 18 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। पॉपुलर पोल्स एजेंसी के ओपिनियन पोल में कर्नाटक में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिलने का अनुमान है। इस सर्वे के मुताबिक 224 सदस्यों वाली विधानसभा में बीजेपी और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर है। इस सर्वे के मुताबिक कर्नाटक की सत्ता पर काबिज बीजेपी को 82 से 87 सीटें मिल सकती हैं। राज्य में बहुमत के लिए जरूरी आंकड़ा 113 का है। पापुलर पोल्स के सर्वे में कांग्रेस को भी बीजेपी के बराबर 82 से 87 सीटें मिलती नजर आ रही हैं। वहीं 2018 के चुनाव के बाद कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार बनाने वाली एचडी कुमारस्वामी की जेडीएस को 42 से 45 सीटें मिल सकती हैं।

51 आरक्षित सीटें चुनाव में निभातीं हैं महत्वपूर्ण भूमिका

कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2018 में 12 मई को हुआ था। 224 सीटों के उस चुनाव में बीजेपी ने 104 सीटें जीती थीं। लेकिन कांग्रेस ने एचडी कुमारस्वामी की जेडीएस और अन्य के साथ मिलकर सरकार बना ली थी। बाद में जेडीएस और कांग्रेस के कई विधायक अलग हो गए थे और बीजेपी बीएस येदियुरप्पा की अगुवाई में सरकार बनाने में सफल हो गई थी। बेंगलुरु-कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। साथ ही 224 विधानसभा क्षेत्रों में हलचल बढ़ गई है। राज्य सियासी समीकरण तेज हो गए हैं। कर्नाटक में 51 आरक्षित सीटें चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। 2008 से अंतिम परिसीमन किया गया था। इस परिसीमन के विश्लेषण से पता चलता है कि जिस पार्टी ने सबसे अधिक आरक्षित सीटें जीतीं, उसी ने कर्नाटक में हमेशा सरकार बनाई है। कर्नाटक में 51 सीटों में से 15 अनुसूचित जनजाति (एसटी) और 36 अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं। जेडीएस ने 2008, 2013 और 2018 के चुनावों के रिजल्ट देखें तो जेडीएस को खास आरक्षित सीटों पर जीत नहीं मिली थी। वहीं कांग्रेस और बीजेपी तीन सीटों के अंतर से कांटें की टक्कर पर थी। जितनी बार कांग्रेस ने सरकार बनाई, आरक्षित सीटों की संख्या के मामले में बीजेपी के मुकाबले उसका प्रदर्शन कहीं बेहतर रहा।

सेंट्रल-कोस्टल कर्नाटक में बीजेपी आगे

इस सर्वे के मुताबिक सेंट्रल और कोस्टल कर्नाटक में बीजेपी सबसे आगे है। सेंट्रल कर्नाटक की 27 सीटों में से 17 से 19 सीटें बीजेपी के खाते में आ सकती हैं। कांग्रेस को यहां 7 से 9 और जेडीएस को 8-9 सीटें मिलने का अनुमान है। कोस्टल कर्नाटक में विधानसभा की 19 सीटें हैं। यहां बीजेपी को 12 से 14 जबकि कांग्रेस को 5 से 7 सीटें मिल सकती हैं। 28 सीटों वाले बेंगलुरु क्षेत्र में कड़ी टक्कर है। सर्वे के मुताबिक यहां पर कांग्रेस 14 से 16 सीटें जीत सकती है। वहीं बीजेपी को 12 से 24 सीटें मिलने का अनुमान है। जेडीएस को एक से दो सीटें मिल सकती हैं।

ओल्ड मैसूर पर जेडीएस की बढ़त बरकरार

मुंबई कर्नाटक इलाके की बात करें तो यहां की 44 में से 22-24 सीटें बीजेपी के हिस्से में आ सकती हैं। वहीं कांग्रेस को 16 से 18 सीटें मिल सकती हैं। जेडीएस को इस क्षेत्र में 4 से 6 सीटें मिल सकती हैं। ओल्ड मैसूर इलाका जेडीएस का गढ़ रहा है। वोक्कालिगा समुदाय का यहां वर्चस्व है। सर्वे के मुताबिक इस क्षेत्र की 66 में से जेडीएस को 25 से 30 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस को 21-23 और बीजेपी को 11 से 13 सीटें मिलने का अनुमान है। हैदराबाद-कर्नाटक इलाके में 40 सीटें हैं। कांग्रेस को यहां 20 से 22 सीटें मिल सकती हैं। बीजेपी को 12 से 15 और जेडीएस को 5 से 7 सीटें मिलने का अनुमान है।

2018 में क्या था चुनाव नतीजा

2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी। पार्टी को 224 में से 104 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस ने 80 और जेडीएस ने 37 सीटें जीती थीं। मिलीं। येदियुरप्पा की वापसी के बाद हुए इस पहले विधानसभा चुनाव में बीजेपी बहुमत से 9 सीट पीछे रह गई थी। वहीं वोट प्रतिशत देखें तो बीजेपी को 36.3, कांग्रेस को 38.1 और जेडीएस को 18.3 फीसद वोट शेयर मिला था। नतीजों के बाद येदियुरप्पा ने सरकार बनाई लेकिन बहुमत न जुटा पाने से विश्वास मत पर वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा सौंप दिया। कांग्रेस और जेडीएस इसके बाद साथ आए। एचडी कुमारस्वामी सीएम बने लेकिन अंदरूनी खींचतान की वजह से यह सरकार भी 14 महीने ही चल सकी। कुमारस्वामी 23 जुलाई 2019 को विश्वास मत हार गए। इसके बाद येदियुरप्पा के नेतृत्व में बीजेपी ने फिर से सरकार बना ली। एक दर्जन बागी विधायक बीजेपी में शामिल हुए और दोबारा उपचुनाव में जीतकर आए। चुनाव से एक साल पहले बीजेपी ने सीएम बदला। 28 जुलाई 2021 को येदियुरप्पा की जगह एक और लिंगायत चेहरे बसवराज बोम्मई ने मुख्यमंत्री की शपथ ली।

2008 का समीकरण

2008 में, जब बीएस येदियुरप्पा ने बीजेपी का नेतृत्व किया, तो भगवा पार्टी ने आरक्षित 51 में से 29 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि कांग्रेस को 17 सीटें मिली थीं। 2013 में सिद्धारमैया की कांग्रेस सरकार सत्ता में आई। तब कांग्रेस ने कुल आरक्षित सीटों में से 27 सीटें जीती थीं, वहीं बीजेपी को महज 8 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। 2018 में कांग्रेस की 8 सीटें कम हो गईं और पार्टी ने महज 19 सीटें जीतीं। बीजेपी की सीटों की संख्या सुधरी और यह 23 पर पहुंच गई। हालांकि कांग्रेस ने जडीएस के साथ संयुक्त रूप से सरकार बनाई लेकिन यह गठबंधन ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाया।

इन चुनावों में अंतर को बड़ा करेंगे: खरगे

कांग्रेस के एक अनुसूचित जाति नेता और पूर्व मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा, हम इन चुनावों में अंतर को बड़ा करेंगे। उन्होंने सरकार की हालिया आरक्षण नीति और अन्य बातों के अलावा अनुसूचित जातियों और जनजातियों के बीच समग्र असंतोष को कांग्रेस के विश्वास के लिए जिम्मेदार ठहराया। जबकि कांग्रेस का तर्क है कि नई नीति विभाजनकारी है और प्रमुख लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों को एक कच्चा सौदा मिला है, बीजेपी को लाभ मिलने का भरोसा है। बीजेपी एससी मोर्चा के प्रमुख चलावाडी नारायणस्वामी ने कहा, विपक्ष के मन में केवल असंतोष है और शिकारीपुरा में सोमवार की हिंसा के पीछे भी उन्हीं का हाथ है। वहीं चलावाडी ने कहा कि समुदाय बीजेपी से खुश हैं और नवीनतम नीति केवल हमारी ताकत में इजाफा करेगी। उन्होंने कहा कि हम आरक्षित सीटों पर अपनी संख्या में सुधार करेंगे और 2008 के प्रदर्शन को भी तोड़ेंगे। आरक्षण में हालिया बदलाव के बिना भी बीजेपी का प्रदर्शन कांग्रेस के लगभग बराबर हो गया है, ऐसी सीटों पर गैर-समुदाय (एससी और एसटी) वोटों के समेकन के लिए अन्य बातों के अलावा जिम्मेदार ठहराया जाता है।

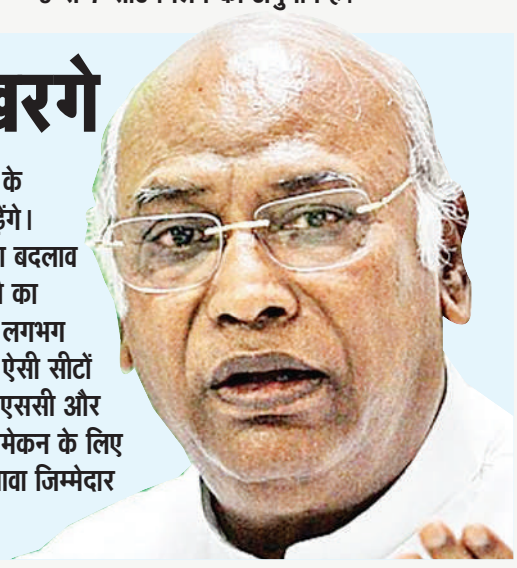

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बहुत मजबूत हैं हमारा लोकतंत्र

भारत में हर किसी को बोलने की आजादी है। पर कभी-कभी इसका खामियाजा भी उठाना पड़ता है। इसका नुकसान तब होता है जब कोई आसामाजिक तत्व नफरती बोल से माहौल को गंदा कर देता। उसके परिणामस्वरुप दंगे, आगजनी की घटनाएं हो जाती हैं। हालांकि इस तरह के कृत्य करने वाले सियासत की वजह से ऐसा करते हैं तो अनुचित है।

इन दिनों भारत में जो हो रहा है उसे अच्छा तो नहीं कहा जा सकता पर इतने विवादों के बाद भी हमारा एक चीज आज भी बहुत मजबूत है वो है भारतीय लोकतंत्र। भारत में हर किसी को बोलने की आजादी है। पर कभी-कभी इसका खामियाजा भी उठाना पड़ता है। इसका नुकसान तब होता है जब कोई आसामाजिक तत्व नफरती बोल से माहौल को गंदा कर देता। उसके परिणामस्वरुप दंगे, आगजनी की घटनाएं हो जाती हैं। हालांकि इस तरह के कृत्य करने वाले सियासत की वजह से ऐसा करते हैं तो अनुचित है। भारत में विवाद हमेशा रहेंगे पर यहां खूबसूरती यह है कि यहां पर लोकतंत्र सभी तंत्रों पर हावी है हावी रहेगी। एकबार इंदिरा गांधी सोवियत संघ की राजकीय यात्रा पर थीं। यात्रा के दौरान क्रेमलिन में भारतीय और सोवियत प्रतिनिधिमंडलों के बीच इंदिरा गांधी और लियोनिद ब्रेज्नेव की अध्यक्षता में वार्ता हुई।

श्रीमती गांधी ने पंजाब में बढ़ते उग्रवाद पर चिंता जताई। जब वे बोल रही थीं तो ब्रेज्नेव ऊंघने लगे। ब्रेज्नेव ने ग्रोम्यको के कान में कहा- 'वे क्या बोल रही हैं, मुझे एक भी शब्द समझ नहीं आ रहा।' तब ग्रोम्यको ने उन्हें बताया कि भारत की प्रधानमंत्री अपने एक राज्य पंजाब के बारे में बात कर रही हैं, जहां अलगाववादियों द्वारा खालिस्तान के निर्माण की बढ़ती मांग से वो चिंतित हैं। ब्रेज्नेव ने अचानक हस्तक्षेप करते हुए कहा- 'महोदया, आप ऐसी चीजों को होने की अनुमति कैसे दे सकती हैं? सोवियत संघ को देखें। 1917 से ही हम अलगाववादी ताकतों को कुचलते आ रहे हैं और हम अब तक एक संयुक्त संघ बने हुए हैं। नवम्बर 1982 में ब्रेज्नेव का निधन हो गया। 1991 में सोवियत संघ 15 भिन्न राष्ट्रों में टूट गया। जबकि पंजाब आज भी भारतीय संघ की लोकतांत्रिक मुख्यधारा का हिस्सा है! इन दोनों स्थितियों का एक ही कारण है- लोकतंत्र। भारत में लोकतंत्र था, सोवियत संघ में नहीं था। जब सर्वसत्तावादी ताकतें राज्यतंत्र से छेड़छाड़ करने लगती हैं तो चीजें नियंत्रण से बाहर होने लगती हैं। मिखाइल गोर्बाचेव जब सुधारों की बात करते थे तो वे गलत नहीं थे। उन्होंने ग्लासनोस्त यानी खुली व्यवस्था और पेरेस्त्रोइका यानी पुनर्निर्माण की बात कही थी। लेकिन अलोकतांत्रिक और नियंत्रणवादी सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी लोकतांत्रिक सुधारों की अभ्यस्त नहीं थी, जिससे हालात काबू से बाहर हो गए। सोवियत साम्राज्य टुकड़े-टुकड़े होकर बिखर गया। इतिहास से हमें कई जरूरी सबक मिलते हैं। उनमें से एक यह है कि लोकतंत्र में भले कमियां हों, लेकिन यह दूसरी प्रणालियों से बेहतर है, क्योंकि यह आकांक्षाओं, बहुलताओं और असंतोष के प्रेशर कुकर के लिए सेफ्टी वॉल्व का काम करता है और विस्फोट की स्थिति निर्मित होने से रोकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पढ़ेंगी तो ही आगे बढ़ेंगी बेटियां

दीपिका अरोड़ा

राष्ट्र के समग्र विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। देश की आधी आबादी को शिक्षित बनाए बगैर साक्षर समाज की संकल्पना मात्र भी असंभव है, इसी के मद्देनजर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के रूप में एक उत्कृष्ट पहल की गई। 22 जनवरी, 2015 को हरियाणा के पानीपत में आरम्भ हुई योजना का मुख्य उद्देश्य कन्या-भ्रुण हत्या रोकना तथा बेटियों को शिक्षाधिकार के माध्यम से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना था। हरियाणा साक्षरता दर के हालिया आंकड़ों पर दृष्टिपात करें तो पता चलता है कि राज्य में लड़कियों का एक बड़ा प्रतिशत हाई स्कूल तक नहीं पहुंच पाता। पांचवीं कक्षा के उपरांत ड्रॉपआउट का सिलसिला आरम्भ हो जाता है।

हरियाणा विधानसभा बजट सत्र के दौरान पेश की गई वर्ष 2021-2022 की रिपोर्ट बताती है कि इस अवधि के दौरान पहली से पांचवीं कक्षा तक शून्य आंकी गई लड़कियों की ड्रॉपआउट दर, छठी से आठवीं के मध्य 0.2 प्रतिशत तथा नौवीं से दसवीं कक्षा में 4.9 प्रतिशत पर जा पहुंची। विचारणीय है, यह वही समय है जब शिक्षा के वास्तविक महत्व से परिचय होना आरम्भ होता है; आत्मनिर्भरता की चाह, बेहतर स्वास्थ्य तथा स्व:निर्णय लेने संबंधी योग्यताएं आदि अपने विकासक्रम के प्रथम चरण में इंगित होती हैं। लड़कियों की इस ड्रॉपआउट प्रक्रिया में विभिन्न कारण सामने आते हैं; शिक्षा में रुचि का अभाव, परिवार की दयनीय वित्तीय स्थिति, विद्यालय परिसर में बुनियादी सुविधाओं का अभाव, सामाजिक वातावरण आदि। इस मुद्दे को लेकर हुए एक सर्वेक्षण के दौरान लड़कियों ने पढ़ाई छोड़ने का सामान्य कारण अभिभावकों की खराब वित्तीय स्थिति बताई। 12वीं कक्षा तक न पहुंच पाने वाली लड़कियों में से 45 फीसदी ने स्वीकार किया कि अभिभावकों को तंगहाली से उबारने हेतु उन्हें पढ़ाई अधूरी छोड़कर कार्य करना पड़ा। 61 प्रतिशत लड़कियों ने समाज में व्याप्त लिंगभेद को उत्तरदायी ठहराया। 12वीं से पूर्व स्कूल छोड़ने वाली हर चार में से एक लड़की ने बताया कि स्कूल छोड़ने का कारण उसका लड़की होना रहा। लड़कियों पर लागू सामाजिक मानदंड जैसे घरेलू कार्य करना, भाई-बहनों की देखभाल अथवा सामाजिक नियमों का पालन इसमें मुख्य रूप से शामिल रहे।

शिक्षा की कमी, असामाजिक वातावरण तथा बाल विवाह की उच्च दर के बीच स्पष्ट संबंध है। छेड़छाड़, छींटाकशी तथा लिंगाधारित हिंसा संबद्ध आशंकाओं के चलते भी लोग

बेटियों को घर से बाहर भेजने में कतराते हैं। कानूनन अपराध घोषित होने पर भी बालिकाओं के एक उल्लेखनीय प्रतिशत का विवाह 18 वर्ष से पूर्व ही कर दिया जाता है। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के मुताबिक् वर्ष 2019 के दौरान हरियाणा में बाल विवाह के 20 मामले सामने आए। 2020 में संख्या बढ़कर 33 हो गई, जो कि 2021 में यथावत बनी रही । विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव भी ड्रॉपआउट में एक बड़ा कारण है। दिसंबर, 2022 को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में हरियाणा के अनेक सरकारी विद्यालयों में शौचालय उपलब्धता स्थिति असंतोषजनक होने संबंधी खुलासा हुआ। राज्य में 185 सरकारी स्कूल शौचालय-सुविधा से वंचित हैं। 907 स्कूलों में लड़के-लड़कियां साझा शौचालय प्रयोग करते हैं। शौचालय सुविधा का अभाव किशोरवय में प्रविष्ट होती लड़कियों द्वारा स्कूल छोड़ने का एक कारण बनता है। बदलते परिवेश में नारी पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। साक्षर-सशक्त-सक्षम हरियाणावी छोरियों की ही बात करें तो यहां की बेटियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी बेमिसाल क्षमता का परिचय दिया है। नभ की ऊंचाइयां छूने वाली कल्पना चावला हो अथवा क्रीड़ाजगत में हलचल मचाने वाली अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल या फिर 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की ब्रांड एंबेसडर, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शतरंज खिलाड़ी तथा फीडे मास्टर तनिष्का कोटिया व उनकी बहन राधिका कोटिया, हरियाणा की अनेक बेटियों ने राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश को गौरवान्वित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। बेशक यह सब संभव हो पाया चूंकि दिल में कुछ कर दिखाने का जज्बा-जुनून था लेकिन साहसिक मनोबल को परिपुष्ट पंख देने का बनता श्रेय अभिभावकों व संबद्ध संस्थानों को भी जाता है।

नारी सशक्तीकरण वरन इसके माध्यम से सुशिक्षित समाज के निर्माण तथा देश के सर्वांगीण विकास हेतु भी बेटियों का पूर्णरूपेण साक्षर होना अनिवार्य है। निस्संदेह, पिछले कुछ दशकों में भारतीय महिलाओं ने देश के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है किंतु अभी भी बहुत कुछ शेष है। शिक्षा प्रक्रिया को निर्बाध संचालित करने हेतु जहां समाज को जागरूक होना होगा, वहीं व्यवस्थात्मक प्रबन्धन को भी अपनी खामियां सुधारनी होंगी।

पुतिन-जिनपिंग की नई वैश्विक व्यवस्था के मंसूबे

जी. पार्थसारथी

अमेरिका और इसके पश्चिमी सहयोगी मुल्कों को आस और विश्वास है कि पुतिन-जिनपिंग शिखर वार्ता से ज्यादा कुछ हासिल नहीं होने वाला। मास्को शिखर वार्ता में रूस और चीन ने दोनों देशों को अमेरिका के नेतृत्व वाली वैश्विक व्यवस्था से दरपेश चुनौतियों से निपटने के लिए बृहद योजना पर विमर्श किया। अमेरिका और उसके यूरोपियन सहयोगी यूक्रेन पर रूसी चढ़ाई के बाद से उस पर प्रतिबंध लगाने की मांग बार-बार कर रहे हैं। कुछ पश्चिमी देशों ने यह अयथार्थवादी आस भी प्रकट की थी कि उनकी 'यूक्रेन योजना' में चीन भी मदद करेगा और रूस को यूक्रेन से बाहर निकलने के लिए मना लेगा। लेकिन यह उम्मीदें अब बिखर चुकी हैं। रूस-चीन संयुक्त घोषणापत्र में बाकायदा कहा गया है कि अमेरिका और इसके सहयोगियों को सभी मुल्कों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं की कद्र करनी होगी, साथ ही जोड़ा कि संघर्ष से बचा जाना चाहिए। रूस और चीन ने जोर देते हुए कहा कि एक समस्याओं का स्थिर निदान निकालने के लिए 'जिम्मेवाराना संवाद' सबसे बेहतर तरीका है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को प्रासंगिक रचनात्मक प्रयासों की सहायता करनी चाहिए।

वास्तव में यह घोषणा सभी पक्षों से ऐसे काम बंद करने का आह्वान करती है जिनसे तनाव बढ़ता हो, ताकि किसी संकट को और गहराने या हाथ से बाहर निकलने से बचाया जा सके। घोषणापत्र का निष्कर्ष है कि चीन और रूस तमाम एकतरफा प्रतिबंध, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मंजूरी नहीं मिली, उनका पुरजोर विरोध करते हैं। अमेरिका ने खोजी पत्रकार सैमूर हर्ष द्वारा लगाए इन इल्जामों को खारिज किया है कि रूस से जर्मनी को गैस ले जाने वाली और समुद्र सतह पर बिछी 'बेक्सी' गैस-पाइपलाइन को (जिसे नॉर्थस्ट्रीम भी कहा जाता है) विस्फोट से उड़ाने के पीछे उसका हाथ है।

रूस और चीन ने दोटूक कहा 'भू-राजनीतिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किसी दूसरे मुल्क के अंदरूनी मामलों में दखल के लिए अतिवाद का झंडा बुलंद करवाना और आतंकी एवं अतिवादी गुटों का इस्तेमाल करना बंद हो।' साथ ही यह मांग भी की है 'बेक्सी पाइपलाइन विस्फोट की जांच के लिए एक ईमानदार, निष्पक्ष और व्यावसायिक जांच हो।' यह बात अमेरिका और जर्मनी के लिए मुश्किल खड़ी करने वाली है, खासकर अंतर्राष्ट्रीय कानून की इज्जत करने में उच्च मूल्यों का पालन करने वाले जर्मनी के लिए- अगर वे यह दावा करते हैं कि उन्हें नहीं मालूम कि अंतर्राष्ट्रीय कानून को धता बताकर किसने जर्मनी के लिए बहुत महत्व रखने वाली गैस-पाइपलाइन को उड़ाया है। सबसे अहम, रूस और चीन का यह कहना कि 'सभी मुल्कों की वैध सुरक्षा चिंताओं की कद्र होनी चाहिए, और आग में घी डालकर दो पक्षों में तनातनी नहीं बढ़ानी चाहिए', इससे अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी की इन आकांक्षाओं और उम्मीदों पर पानी फिरा है कि चीन रूस को यूक्रेन पर लचीलापन अपनाने के लिए मना लेगा।

यूक्रेन के मामले में चीन ने रूसी रवैये को यह कहकर तगड़ा समर्थन दिया है कि समस्याएं सुलझाने के लिए सबसे बढ़िया रास्ता जिम्मेवारना संवाद है। सबसे महत्वपूर्ण, चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस का साथ देने का भरोसा दिया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि 'संघर्ष को हवा देने वाले पक्ष तमाम वह काम बंद हों जिनसे तनाव बढ़ता है और युद्ध लंबा न खिंच पाए।' पुतिन अपने चीनी मेहमान से इससे ज्यादा की अपेक्षा नहीं रख सकते थे। अब देखना यह है कि क्या चीन को वह सैन्य साजो-सामान देगा, जिसकी उसे जरूरत है। इस घटनाक्रम से जिन देशों को सबसे अधिक चिंता होगी वे हैं, अमेरिका और इसके नाटो सहयोगी। रूस यूक्रेन पर अपनी कार्रवाई पर अब चीन की मदद लेकर निश्चिंत है। चीन और रूस ने यह संकेत भी दिया है कि उन्हें पश्चिमी देशों द्वारा लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों की जरा परवाह नहीं। अब राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिका को इस हकीकत के मद्देनजर पुनर्विचार करना पड़ेगा कि रूस उस क्रीमिया में अपने सामरिक हित बरकरार रखना चाहता है, जो तीन सदियों से ज्यादा उसके नियंत्रण में रहा था और साथ ही पूरबी यूक्रेन में बसे रूसी भाषी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को दृढ़संकल्प है।

इन दोनों की ओर स्पष्ट है कि वे एक-दूसरे के सुरक्षा हितों को बचाये रखने में साथ खड़े होने को तत्पर हैं। हालांकि घोषणापत्र में कुछ विषयों पर भारत का भी जिक्र आया है लेकिन ऐसा कुछ नहीं जिस पर भारत को आपत्ति हो। अब यह उभरकर आया है कि अमेरिका और इसके नाटो सहयोगियों से निपटना रूस-चीन का साझा हित है। गौरतलब है कि चीन भारत का सकारात्मक रूप से जिक्र करने से बचा है। चीन के लगातार बढ़ते घमंड की जरा भी जानकारी रखने वाले किसी शख्स को हैरानी नहीं होगी कि वह अपनी आर्थिक और सैन्य ताकत के बूते दुनिया में अपनी मान्यता बतौर एक वैश्विक शक्ति होने की हसरत रखता है। इसके अलावा, चीन का काफी ध्यान तेल संपन्न खाड़ी क्षेत्र में रूस के साथ मिलकर संयुक्त सुरक्षा तंत्र बनाने की तरफ है। चीन और रूस इसको लेकर भी काफी खुश हैं कि बाइडेन प्रशासन की अनाड़ी कूटनीति के चलते वे ईरान और सऊदी अरब के बीच दोस्ती प्रक्रिया बनवाने में सफल रहे हैं। इसी किस्म का सामान्य दोस्ताना रिश्ता वे सीरिया और सऊदी अरब के बीच बनवाने के भी इच्छुक हैं।

बियर न पिएं

जब लोग बियर पीते हैं और मांस खाते हैं उन्हें यूरिक एसिड बढ़ने का ज्यादा खतरा होता है, जिससे गाउट की समस्या हो सकती है। बीयर में बड़ी मात्रा में प्यूरीन होता है। बियर शरीर में जाने के बाद लैक्टिक एसिड में मेटाबोलाइज हो जाती है। लैक्टिक एसिड किडनियों के कामकाज को प्रभावित करता है, जिससे यूरिक एसिड बाहर नहीं निकल पाता है।

यूरिक एसिड का कराते रहें टेस्ट

अगर आपको लगता है कि आपका यूरिक एसिड बढ़ने की आशंका है या इससे जुड़े लक्षण जैसे जोड़ों में दर्द, लालीपन, या अकड़न महसूस हो रहे हैं, तो आपको यूरिक एसिड लेवल की जांच करानी चाहिए। ध्यान रहे कि यूरिक एसिड की नॉर्मल रेंज 3.5 से 7.2 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर (mg/dL) के बीच है। इससे ज्यादा होने पर आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

गर्मियों में यूरिक एसिड बढ़ने का होता है ज्यादा खतरा

डाइट का रखें खास ध्यान

गर्मियों में यूरिक एसिड बढ़ने का ज्यादा खतरा होता है, इस मौसम में मिलने वाले कुछ खाद्य पदार्थ तेजी से इसका लेवल बढ़ाते हैं। डाइट का खास ध्यान रखना चाहिए। सोयाबीन और मशरूम के अलावा ज्यादा मांस खाने से बचना चाहिए। ज्यादा मांस खाने से पाचन और अन्य अंगों का कामकाज प्रभावित होता है जिससे प्यूरिन का सही पाचन नहीं हो पाता है। आपको मछली और मांस से बचना चाहिए। इनके बजाय आप दूध और अंडे ले सकते हैं क्योंकि यह कम प्यूरीन वाले खाद्य पदार्थ हैं और इनमें आवश्यक अमीनो एसिड से भरपूर हाई क्वालिटी वाला प्रोटीन होता है। ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने की तरह यूरिक एसिड लेवल बढ़ना भी एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। यूरिक एसिड लेवल बढ़ने से गाउट नामक बीमारी हो जाती है। देश में एक हजार में से 5-27 लोग इस बीमारी से पीड़ित रहते हैं। यूरिक एसिड एक अपशिष्ट पदार्थ होता है, जो शरीर में प्यूरीन तत्व के टूटने से बनता है। प्यूरीन आपके द्वारा रोजाना खाए-पिए जाने वाले खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी के जरिए पेशाब के साथ बाहर निकल जाता है लेकिन कई बार यह जोड़ों में जाकर चिपक जाता है और छोटी पथरी का रूप ले लेता है।

गर्मियों में इन फलों को न खाएं

फ्रूक्टोज से भरपूर फल गाउट की स्थिति को और ज्यादा बिगाड़ सकते हैं। अगर आपका यूरिक एसिड लेवल पहले से ही बढ़ा हुआ है, तो आपको हाई शुगर वाले फलों के सेवन से बचना चाहिए। गर्मियों में आपको आम, अंगूर, चेरी, केला और नाशपाती जैसे फलों को खाने से बचना चाहिए।

कोल्ड ड्रिंक्स को हाथ भी न लगाएं

गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए बहुत से लोग कोल्ड ड्रिंक्स या अन्य बेवरेज खूब पीते हैं। बेशक आप बियर नहीं पी रहे लेकिन अगर आप कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन कर रहे हैं, तो इससे आपका यूरिक एसिड लेवल बढ़ सकता है। ऐसे पेय पदार्थों में प्यूरीन की मात्रा अधिक नहीं होती है, लेकिन उनमें से अधिकांश में बड़ी मात्रा में फरुक्टोज होता है। ध्यान रहे कि कि फरुक्टोज से गाउट हो सकता है।

उबला हुआ पानी पिएं

ध्यान रहे कि बढ़ा हुआ यूरिक एसिड न सिर्फ गाउट का बल्कि किडनी की पथरी का भी कारण बन सकता है। गर्मियों में अक्सर बहुत पसीना आता है। शरीर में पानी की कमी से यूरिक एसिड लेवल बढ़ सकता है। कम पानी पीने से पेशाब की मात्रा भी कम होगी और यूरिक एसिड भी कम निकलेगा। गाउट और किडनी की पथरी से बचने के लिए आपको इन दिनों खूब पानी पीना चाहिए।

हंसना मना है

भैया की साली की सहेली पर पप्पू इंप्रेशन जमाने के लिए अंग्रेजी में बोला... पप्पू- I love You Totally... सहेली देहाती थी...I love you के अंत में तोतली सुनकर भड़क गई...फिर, गुस्से में बोली- तेरा बाप तोतला, तेरी मां तोतली...तू होगा तोतला...तेरा खानदान होगा तोतला...मुझे तोतली कह रहा है... तोतले खानदान की बदतमीज औलाद... पप्पू-आइला, Totally गुस्सा भी करती है।

टीचर- बच्चो मुझे बताओ कि पहले जिस जगह का नाम मद्रास था, अब उसे किस नाम से जाना जाता है? स्टूडेंट- चेन्नई। टीचर- बिल्कुल सही जवाब। अब मुझे बताओ कि चेन्नई नाम क्यों रखा गया? स्टूडेंट- सर, वहां के लोग लुंगी पहनते हैं न और लुंगी में पैंट की तरह चेन नहीं होती, इसलिए (चेन नहीं) चेन्नई नाम रखा गया।

टीटी ने चिंटू को प्लेटफॉर्म पर पकड़ लिया, टीटी- टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी- क्या सबूत है? चिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नियां बहुत समझदार होती हैं.... दूसरों के सामने अपने पति को कभी सीधे बेवकूफ नहीं बोलती हैं... बल्कि घुमाकर कहती हैं...अरे इनको तो कुछ पता ही नहीं है.... बहुत सीधे-सादे हैं दुनियादारी की समझ ही नहीं है।

कहानी | अंधेरे का भूत

सोनपुर नाम का एक बड़ा सा गांव हुआ करता था जहां अधिकतर खेतीबाड़ी करने वाले किसान रहा करते थे। वहीं, गांव के पास ही घने जंगलों के बीच पीपल के पेड़ में एक भूत रहा करता था। भूत दिनभर तो गायब रहता, लेकिन रात होते ही वह गांव वालों को खूब परेशान किया करता था। रात होते ही भूत पूरे गांव के चक्कर काटने लगता और कभी किसी के पशुओं को नुकसान पहुंचाता तो किसी किसान को इतना डराता कि वो रातभर सो नहीं पाता। भूत के डर से शाम होते ही गांव में सन्नाटा फैल जाता और रात को कोई भी घर से बाहर नहीं निकला करता था। एक बार भूत से परेशान गांव के लोगों ने एक बहुत बड़े साधू को गांव में बुलाया और उनसे अपनी समस्या का निदान करने के लिए गुजारिश की। गांव वाले साधू को उस पेड़ के पास ले जाते हैं, जहां भूत का वास होता है। साधू अपने जप और तप से भूत को काबू करने की बहुत कोशिश करता है, लेकिन वह उसके हाथ नहीं आता। अंत में साधू भूत पर काबू पाने की युक्ति निकाल लेता है और सब गांव वालों से कहता है कि ये भूत केवल रात के अंधेरे में निकलता है, जिसका अर्थ है कि इसे दिन की रोशनी से डर लगता है और रोशनी के सहारे ही भूत से छुटकारा पाया जा सकता है। साधू की बात सुनकर सभी गांव वाले मिलकर एक योजना बनाते हैं। रात को जब भूत पेड़ से निकलकर गांव में प्रवेश करता है तो किसान हाथों में मशाल लिए चारों ओर उजाला कर देते हैं। रोशनी को देखकर भूत डर जाता है और वापस पेड़ की ओर भाग जाता है। वहीं, गांव वाले भी उसके पीछे-पीछे पेड़ के पास पहुंच जाते हैं। रोशनी में साधू भूत को पेड़ से बांध देता है और फिर गांव वाले भूत को उस पेड़ के साथ ही जला देते हैं। इस तरह से गांव वालों को भूत की समस्या से निजात मिल जाता है।

कहानी से सीख- समस्या चाहे कैसी भी हो, अगर बुद्धि का प्रयोग किया जाए तो उससे निजात पाया जा सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज घर के परिजनों में प्रेम का भाव बना रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कुछ अनावश्यक खर्चे सामने आ सकते हैं। नए निवेश का विचार भी बनाएंगे।

वृषभ

आज आप अपने परिवार और संतान के प्रति काफी विचार वादी बनेंगे और उनके भविष्य के बारे में सोचेंगे। धन का निवेश करने के बारे में भी काफी संजीदगी से विचार करेंगे।

मिथुन

आज आपके काम बनते-बनते रूक जायेंगे। आपको कोई भी कार्य करने से पहले अपने से बड़ों की राय जरूर लेनी चाहिए। इससे आपको लाभ होगा।

कर्क

आप की आमदनी में वृद्धि होगी लेकिन जितना तेजी से पैसा आयेगा। उतनी ही तेजी से खर्च भी होगा। परिवार में किसी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

सिंह

आप अपने खान-पान और वस्त्रों पर धन खर्च करेंगे तथा परिवार की जिम्मेदारियों को समझते हुए उन्हें निभाएंगे। टैक्स चोरी करने की आदत से बचें।

कन्या

आज आपके सारे काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप अपने बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। काम में सफलता सुनिश्चित होगी।

तुला

आप आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित होंगे। बच्चे अच्छा महसूस करेंगे। अपने परिवार के लिए वक्त निकालने के कारण आप सबकी सराहना का हकदार हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज आपकी इनकम में बढ़ोतरी होगी और आप अपने प्रेम जीवन में भी आज काफी खुश नजर आएंगे क्योंकि आपका प्रिय आपके लिए कुछ खास करेगा।

धनु

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। शाम को घर पर ही जीवनसाथी के साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी।

मकर

आज आपके लिए समय अच्छा है। हालांकि आपको आज नई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है हर चुनौती से कुछ नया सीख कर आप तेजी से आगे बढ़ेंगे।

कुम्भ

अपनी सेहत का पूरी तरह से ध्यान रखें क्योंकि यह आपको परेशानी में डाल सकती है। परिवार का माहौल भी प्रेम पूर्ण रहेगा और परिवार वाले आप पर जान लुटाएंगे।

मीन

आज परिवार के किसी सदस्य से आपकी थोड़ी अनबन होने की संभावना है। आप अपने खर्चों को लेकर सोच-विचार में डूबे रह सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

शादी को लेकर देखे गये मेरे सपने कभी पूरे नहीं हुए : मनीषा

मनीषा कोइराला को 90 के दशक की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में शामिल किया जाता है। अपने एक्टिंग करियर में उन्होंने अब तक कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। हिंदी के अलावा वह तमिल, तेलुगू भाषाओं की फिल्में भी कर चुकी हैं। साउथ की बॉम्बे, इंडियन और मुधालवन जैसी सुपरहिट फिल्मों में वह अपने अभिनय का जलवा दिखा चुकी हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में मनीषा ने बताया कि कि शादी के बाद उन्होंने कितना दर्द झेला था। बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने लंबे समय के बाद फिल्मों में कमबैक किया है। अभिनेत्री आज अपना जीवन अकेले ही गुजार रही हैं। मनीषा के फिल्मों को तो फैंस का खूब प्यार मिला, लेकिन असल जिंदगी में मनीषा को हमेशा अकेले ही रहना पड़ा है। गौरतलब है कि मनीषा ने नेपाल के बिजनेसमैन सम्राट दहल से शादी की थी, लेकिन शादी के दो साल बाद ही दोनों की बीच तलाक हो गया। अब काफी समय के बाद अभिनेत्री ने अपनी शादी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। अपने हालिया इंटरव्यू में इस बारे में बात करते हुए मनीषा ने बताया कि सम्राट से उनकी मुलाकात फेसबुक के जरिए हुई थी। दोनों एक दूसरे से मिलने लगे और फिर शादी करने के बारे में भी सोच लिया था। अभिनेत्री का कहना है कि शादी के छह महीने बाद ही उनके और सम्राट के बीच कहासुनी शुरू हो गई थी। काफी कोशिशों के बाद भी चीजें नहीं संभली तो दोनों नो शादी के दो साल बाद अलग होने का फैसला कर लिया था। मनीषा ने आगे कहा, शादी को लेकर मैंने बहुत से सपने देखे थे, जो कभी भी पूरे नहीं हुए। हालांकि, इसके लिए मैं किसी को दोष नहीं देती हूं, जो भी गलती थी वह बस मेरी ही थी। अगर आप अपनी शादी से खुश नहीं हैं तो एक-दूसरे अलग होना ही आखिरी ऑप्शन बचता है। शादी के बस छह महीने बाद ही मेरा पति मेरा दुश्मन बन गया। एक पत्नी और औरत के लिए इससे ज्यादा बुरा क्या होगा।

आशिकी-3 में कार्तिक आर्यन संग रोमांस फरमाएंगी सारा अली खान

सारा अली खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म गैसलाइट ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर दस्तक दे चुकी है। फिल्म रिलीज के बाद भी सारा इसका ताबड़तोड़ प्रमोशन कर रही हैं। वहीं, अब सारा अली खान ने कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म आशिकी 3 को लेकर ऐसी बात कह दी है, जिससे सार्तिक के फैंस खुश हो उठे हैं। गौरतलब हो कि सारा अली खान और कार्तिक आर्यन की केमिस्ट्री की आज भी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। हालांकि, इनकी ऑन स्क्रीन बॉन्डिंग साल 2020 की फिल्म लव आज कल में कमाल नहीं दिखा पाई, बावजूद इसके भी सारा-कार्तिक की जोड़ी के फैंस आज भी उन्हें पर्दे पर साथ देखने की ख्वाहिश रखते हैं। अफवाह थी कि लव आज कल के दौरान ही सारा-कार्तिक के बीच नजदीकियां बढ़ी थीं और दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था।

फिल्म लव आज कल के दौरान नाम जुड़ने के कुछ समय बाद ही इन दोनों के ब्रेकअप की खबरें आने लगीं। वहीं, सारा अली खान ने करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में भी कार्तिक संग रिलेशनशिप में होने की बात कबूली थी। ब्रेकअप के इतने समय बाद सारा ने कार्तिक की अपकमिंग फिल्म आशिकी-3 को लेकर ऐसी बात कह दी है, जिससे दोनों के फैंस फूले नहीं समा रहे हैं।

सारा अली खान हाल ही में एक इवेंट का हिस्सा बनीं। एक सेगमेंट के दौरान, जब सारा से आशिकी-3 के लिए कार्तिक और निर्देशक अनुराग बसु के साथ जुड़ने की अफवाहों के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस के बयान ने सबका दिल जीत लिया। सारा ने पहले तो साफ किया कि उन्हें फिल्म के लिए पेशकश नहीं की गई है, लेकिन वह इस अवसर का जरूर पता लगाना चाहेंगी। सारा के शब्दों में, मुझे अभी तक आशिकी-3 की पेशकश नहीं की गई है, लेकिन मुझे अच्छा लगेगा अगर मुझे फिल्म की पेशकश की जाती है। मैं इसके लिए निश्चित रूप से हां कहूंगी।

सारा अली खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो, वह अनुराग बसु के साथ फिल्म मेट्रो इन दिनों पर काम कर रही हैं। इसमें आदित्य रॉय कपूर, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेनशर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे सितारे भी हैं। दूसरी तरफ, कार्तिक जल्द ही कियारा आडवाणी के साथ सत्यप्रेम की कथा में नजर आएंगे।

छोटे पर्दे पर सालों बाद कमबैक करेगी गुत्थी

मशहूर कॉमेडियन और एक्टर सुनील ग्रोवर को पिछले 6 सालों से किसी भी टीवी शो में नहीं देखा गया है। गुत्थी से लेकर डॉक्टर मशहूर गुलाटी जैसे कई मशहूर किरदारों को अपना नाम देने वाले इस कॉमेडिन के फैंस भी उन्हें टीवी पर देखने के लिए बेताब हैं। इस बीच अब उन्होंने भी टीवी पर कमबैक करने की इच्छा जताई है। एक इंटरव्यू में सुनील ने अपने आगे के प्लान के बारे में बात करते हुए कहा, टेलीविजन एक बड़ा माध्यम है। मैं आज जो कुछ भी हूं वह सिर्फ इसकी वजह से ही हूं। मैं बहुत बेसब्री से टीवी पर वापसी करने की तैयारी में जुटा हूं और जैसे ही मेरे पास कोई इंटरेस्टिंग ऑफर आता है मैं बिना किसी देरी के साथ टीवी पर फिर से वापसी करूंगा।

सुनील की बातों से साफ जाहिर हो रहा है कि वह भी जल्द ही टीवी में काम करना चाहते हैं। वहीं उनके फैंस भी टीवी पर उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, हालांकि कॉमेडियन ने इंटरव्यू में किसी प्रोजेक्ट को लेकर बात नहीं की है, लेकिन वह छोटे पर्दे पर एक बार फिर से दर्शकों का मनोरंजन करना चाहते हैं। द कपिल शर्मा शो में गुत्थी और मशहूर गुलाटी के किरदार से फेमस हुए सुनील ग्रोवर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज यूनाइटेड कच्चे के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म जवान में भी नजर आने वाले हैं।

अजब-गजब | 40 साल पहले शेखपुरा मोहल्ले में मिला था खोदाई में

यूपी के इस शहर में मौजूद है दुनिया का सबसे बड़ा घड़ा

कन्नौज। वैसे तो घड़े को आमतौर पर सभी ने एक सामान्य से आकार में देखा होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि किसी घड़े का आकार एक ट्रक जैसा हो सकता है। जी, हां दुनिया का सबसे बड़ा और पुराना घड़ा कन्नौज में रखा है। अपनी खुशबू के लिए विश्वविख्यात इत्र नगरी कन्नौज के म्यूजियम में इस घड़े को संरक्षित करके रखा गया है। इस घड़े में 2 हजार लीटर पानी आ सकता है। यह घड़ा करीब 40 साल पहले शहर क्षेत्र के शेखपुरा मोहल्ले में खुदाई के दौरान मिला था।

सम्राट हर्षवर्धन और राजा जयचंद का साम्राज्य रहे इस जिले का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। यहां समय-समय पर खुदाई के दौरान नायाब और दुर्लभ चीजें मिली हैं। जिनको देखकर लोगों को भी अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। पहली से तीसरी सदी के बीच कुषाण वंश के दौरान सबसे बड़े घड़ों में से एक घड़ा यह भी माना जाता है। करीब 1500 साल

बने इस घड़े की ऊंचाई लगभग 5.4 फीट है और चौड़ाई 4.5 फीट है। टैंकर के साइज का मिट्टी का घड़ा जो दुनिया का सबसे बड़ा और पुराना घड़ा माना जाता है।

कन्नौज में बीते करीब 50 साल से ज्यादा वक्त से पुरातत्व विभाग यहां पर समय-समय पर खुदाई कर रहा है। कन्नौज का नाम इतिहासों और वेद पुराणों में दर्ज है। जिसके चलते यहां पर जब भी खुदाई होती है तो कुछ ना कुछ ऐसा निकल कर सामने आता है। जो यहां के इतिहास के बारे में बयां करता है। फिर चाहे टेराकोटा की मूर्तियां हो या 1 हजार वर्ष से भी ज्यादा पुरानी मुद्राएं, भगवान शिव की कई अलग-अलग मुद्राओं की प्राचीन मूर्तियां भी यहां से निकलती रही हैं। यहां अलग-अलग सदी के शिलालेख मूर्तियां बर्तन पत्थर भी निकलते रहते हैं। हिंदू जैन और बौद्ध धर्म से जुड़ी कई विरासत यहां पर सहेज कर रखी गई है। सभी की उम्र का आकलन कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक पद्धति से इसका आकलन किया जा चुका है।

पेड़ से निकली पानी की धार, लोग मान बैठे माता का चमत्कार

जबलपुर। जबलपुर में नवरात्रि के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि भक्ति में डूबे लोग इसे चमत्कार मान बैठे। यहां एक पेड़ से अचानक पानी का फव्वारा फूट पड़ा। खबर के फैलते ही आस-पास के इलाके के लोग इस पेड़ से निकल रहे पानी को भरने आ रहे हैं। यहां

लोगों की भीड़ लग गई है। कोई बोतल, तो कोई बर्तन में पानी भरने के लिए लाइन लगाकर खड़ा हुआ है। जबलपुर के कटंगी रोड के पास ही बसे झगरा गांव में अर्जुन के पेड़ से पानी का फव्वारा निकल रहा है। इस घटना को लोग मां भगवती का चमत्कार मान रहे हैं। गांव के बाहर सड़क के किनारे सालों पुराना एक पेड़ लगा हुआ है इससे अचानक पानी का फव्वारा फूट पड़ा। इसे देखकर लोग पानी भरने के लिए जुट गये। यह खबर फैलते ही सुबह से लेकर रात तक लोग बोतल और अन्य बर्तनों में पानी भरकर ले जाने लगे। इतना ही नहीं बल्कि राहगीर भी यहां रुक कर पानी भरने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते नजर आ आये। गांव के लोग इस पेड़ की पूजा करने लगे हैं। उनका कहना है कि इस पेड़ के पास हर नवरात्रि में जवारों का विसर्जन किया जाता है इसी वजह से यह पेड़ चमत्कारी हो गया है। इसमें माता की कृपा से अमृत रूपी जलधारा निकल रही है। लोग पेड़ से निकल रहे पानी को माता रानी का आशीर्वाद मान रहे हैं। बहरहाल यह आस्था है या अंधविश्वास यह कहना संभव नहीं। फिलहाल इस मामले में अब तक किसी भी वैज्ञानिक या पर्यावरण विशेषज्ञ का कोई मत सामने नहीं आया है। लेकिन लोगों ने इस पेड़ को चमत्कारी मानते हुए यहां पूजा-पाठ भी शुरू कर दी है। यहां हर दिन पहुंचने वाले लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है।

जहां भाजपा कमजोर वहां पर रचा जा रहा षड्यंत्र : तेजस्वी

» डिप्टी सीएम ने कहा-भाईचारे को तोड़ने के किसी भी भाजपाई प्रयोग का माकूल जवाब देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में सद्भाव बिगाड़ने की संघी कोशिश हो रही। बिहार सरकार की पैनी नजर है। बिहार में रामनवमी पर भड़की हिंसा के बाद तनाव की स्थिति बरकरार है। नालंदा के बिहारशरीफ में शुक्रवार से धारा 144 लागू है। इस बीच रविवार को अमित शाह नवादा पहुंचे और कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा।तेजस्वी यादव ने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा कमजोर है, वहां बौखलाई हुई है। भाईचारे को तोड़ने के किसी भी भाजपाई प्रयोग का हमने हमेशा माकूल जवाब दिया है और देते रहेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एक-एक उपद्रवी को चिन्हित कर कठोरतम कार्रवाई की जा रही है।

बिहार के बिहारशरीफ और सासाराम में हुई सांप्रदायिक हिंसा थामने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल पर केंद्र के सशस्त्र बल भी तैनात किए गए हैं। शनिवार को बिहार दौरे पर पहुंचे शाह ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से फोन पर बात की। केंद्र ने शांति व्यवस्था बहाल करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की दस बटालियनें भेजी हैं।

बिहार में जंगलराज : भाजपा

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि जदयू और राजद की सरकार बिहार को संभाल नहीं पा रही, इसलिए हम बिहार की चिंता कर रहे हैं। जिस सरकार में जंगलराज के प्रणेता लालू यादव की पार्टी शामिल हो, वह सरकार बिहार में कभी भी शांति स्थापित नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि नीतीश बाबू को सत्ता की भूख ने लालू यादव की गोद में बैठने को मजबूर कर दिया है।

बिहार की छवि बिगाड़ रहे अमित शाह: जदयू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि उन्होंने शांति की अपील करने के बजाय तनाव बढ़ाने वाला भाषण दिया। इसके साथ ही विजय चौधरी ने मुख्यमंत्री के बजाय राज्यपाल से स्थिति की चर्चा करने को भी गलत बताया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार रैली में नीतीश कुमार की ''महागठबंधन सरकार पर जमकर हमला बोला था। इससे पहले कल जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा था कि गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी से बिहार की छवि खराब हो रही है और हम सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग से डरने वाले नहीं हैं, वहीं बिहार बीजेपी के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने जो कहा वो ठीक ही तो कहा है,उन्होंने बिहार की नीतीश सरकार की कामियों को उजागर किया है जो बिल्कुल सही है।

ट्रेन में आगजनी से महिला व बच्चा समेत तीन की मौत

» केरल के कोझिकोड में बीती रात अलप्पुझा-कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस ट्रेन में हुआ हादसा, पुलिस जांच में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोझिकोडी। केरल के कोझिकोड में बीती रात हैरान कर देने वाला एक मामला सामने आया है। अलप्पुझा-कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस ट्रेन में रविवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक शख्स ने दूसरे यात्रियों पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगा दी। चलती ट्रेन में आगजनी की घटना में कई लोग झुलस गए।

घटना के कुछ ही देर रेलवे ट्रैक पर तीन लोगों की लाश भी बरामद की गई। आगजनी की घटना रविवार रात लगभग 9.45 बजे की बताई जा रही है। ट्रेन कोझिकोड शहर को पार करने के बाद कोरापुझा रेलवे पुल पर पहुंची थी। चलती ट्रेन में ही एक शख्स ने यात्रियों

पर ज्वलनशील पदार्थ डाला और आग लगा दी। आग लगते ही यात्रियों मे चीख-पुकार मच गई। जान बचाने के लिए सब इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने बताया कि घटना में कम से कम आठ लोग झुलस गए। आगजनी की घटना के बाद कुछ ट्रेन से कुछ यात्रियों के लापता होने की जानकारी मिली। सिटी पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान तीन लाश बरामद की गई। मृतकों में एक महिला, बच्चा और अधेड़ उम्र का शख्स है। पुलिस को आशंका है कि आग देखकर उन्होंने चलती ट्रेन से कूदने की कोशिश की होगी, जिससे उनकी मौत हो गई।

आज अदालत में पेश होंगे सिसोदिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को सीबीआई आज दिल्ली की राउस एवेन्यू अदालत में पेश करेगी। आप नेता की पेशी दोपहर 2: 00 बजे होगी। दरअसल मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत आज खत्म हो रही है। सिसोदिया दिल्ली की नई शराब नीति में भ्रष्टाचार के आरोपी है।

दिल्ली की शराब नीति मामले को लेकर आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच काफी वक्त से घमासान जारी है। आबकारी केस में सिसोदिया को 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। वह सीबीआई के साथ ही प्रवर्तन निदेशालय की जांच का भी सामना कर रहे हैं। सीबीआई की दलील से पहले पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ट्रायल कोर्ट में अपनी जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा था कि उन्हें हिरासत में रखने से सीबीआई का मकसद पूरा नहीं होगा।

भगवान भाजपा कार्यकर्ताओं को सद्बुद्धि दें : महुआ मोइत्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। हमेशा अपने बयानों पर ट्वीट के कारण चर्चा में रहने वाली तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने फिर एक बार रामनवमी को लेकर बीजेपी पर तंज कसा है। सांसद महुआ मोइत्रा ने रामनवमी मुद्दे पर ट्वीट करते हुए कहा कि हिंदू खतरे में है। हालांकि इस ट्वीट को सुनकर तभी चौक जाएंगे, दरअसल तृणमूल सांसद ने पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी पर हमला बोला है।

महुआ मोइत्रा ने ट्वीट में कहा है कि भगवान उन्हें (बीजेपी) सद्बुद्धि दें। जो लोग ऐसी धारणा पैदा कर रहे हैं। ऐसे तो अक्सर ही महुआ मोइत्रा बीजेपी पर हमलावर होती दिखाई देती हैं। महुआ ने अक्सर केंद्र की नीतियों को लेकर और ममता बनर्जी के समर्थन में ट्वीट करती हैं। एक बार फिर महुआ मोइत्रा ने बंगाल में हुई हिंसा के बारे में नाम नहीं लिया बल्कि ट्वीट किया है कि हिंदू खतरे में है।

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि बीजेपी ने 2024 के लिए तैयार की रूपरेखा तैयार कर रही है। सांसद महुआ मित्रा ने यह भी कहा है कि बीजेपी अनुसार हिंदू खतरे में है। यही बात बीजेपी 2024 तक लेकर चलाएगी। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा है कि बीजेपी 2024 तक के लिए हिंदुओं का सहारा ले रही है। यह बीजेपी की तैयार की जमीन है। जिस पर वह आगे सियासत करेगी।

सिंधु को लगा झटका, नहीं जीत पाईं खिताब

मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के फाइनल में हारीं, तुनजुंग ने जीता पहला वर्ल्ड टूर खिताब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु को मैड्रिड ओपन बैडमिंटन में करार झटका लगा है। वह स्पेन मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से हार गईं। वर्ल्ड नंबर-12 तुनजुंग ने उन्हें फाइनल में वापसी का मौका नहीं दिया और दोनों गेंमों को आसानी से 8-21, 8-21 से जीत लिया। तुनजुंग का सिंधु के खिलाफ यह पहली जीत है।

इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग ने सिंधु को 8-21, 8-21 से हराकर पहला वर्ल्ड टूर खिताब जीता।फाइनल से पहले इंडोनेशियाई खिलाड़ी से सिंधु का 7 बार सामना हुआ था। जिसमें सिंधु ने सभी मैच जीते थे। तुनजुंग का यह पहला वर्ल्ड टूर खिताब है।

इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग ने सिंधु को 8-21, 8-21 से हराया

सेमीफाइनल में तुनजुंग ने मारिन और सिंधु ने मिन को हराया

12वें नंबर की तुनजुंग ने इससे पहले सेमीफाइनल में टॉप सीड और पूर्व ओलिंपिक चैंपियन कैरोलिना मारिन को हराया था। वहीं सिंधु ने सेमीफाइनल में सिंगापुर की येओ जिया मिन को 24-22, 22-20 से हराया था। इस मैच से पहले सिंधु का पलड़ा भारी माना जा रहा था। इस मुकाबले से पहले सिंधु और येओ जिया मिन 3 बार एक-दूसरे का सामना किया था, जिसमें सिंधु ने तीनों बार बाजी मारी थी। दोनों खिलाड़ियों की आखिरी मुलाकात बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में हुई थी, जिसमें सिंधु ने 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की थी। अब दोनों खिलाड़ियों का रिकॉर्ड 4-0 का हो गया है।

दंगे भड़काकर ध्रुवीकरण करती है भाजपा : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रामनवमी पर हुई हिंसा और दंगों को लेकर राजनीतिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बयान सामने आया है। उन्होंने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब बीजेपी को पता चलता है कि वह कमजोर हो रही है तो वे दंगे भड़काते हैं और लोगों का ध्रुवीकरण करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बीजेपी का कारनामा है।

बिहार हिंसा को लेकर कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा ने इससे पहले कहा था कि जो कुछ भी इन दिनों बिहार में हो रहा है वो 1989 में हुए दंगों की याद दिला रहा है। उस दंगे में ना जाने कितने लोगों की जान चली गई थी। कितने बेगुनाह मारे गए थे जिन्हें अब तक इंसाफ नहीं मिल पाया है और बीजेपी एक बार फिर बिहार में वैसे ही दंगा कराने का मंसूबा बना रही है. उन्होंने भी इसे 2024 और 2025 में होने वाले चुनाव से जोड़ा था।

चुनाव नजदीक हैं बीजेपी को नुकसान का डर : राउत

इससे पहले उद्धव ठाकरे गुट के संजय राउत ने भी इस मुद्दे को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि बंगाल में हो रही हिंसा योजनाबद्ध, प्रायोजित और बीजेपी की लक्षित है, जहां भी चुनाव नजदीक हैं और बीजेपी को अपने नुकसान का डर है या जहां बीजेपी सरकार कमजोर है वहां दंगे होते हैं।

रामनवमी मनाने का अधिकार है या नहीं : रविशंकर प्रसाद

पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बिहार में रामनवमी के दौरान हुई घटना पर कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मुझे यह बताइए कि लोगों को रामनवमी मनाने का अधिकार है या नहीं। आप शांति क्यों नहीं कायम कर सकते हैं। बिहारशरीफ में दंगे हुए, बस जलाई गई, गोलीबारी हुई,आपकी पुलिस क्या कर रही है। पिछले साल तो सब कुछ शांति पूर्वक हो गया। इस साल क्यों नहीं हुआ। यह बड़ा सवाल है, प्रधानमंत्री बनने के चक्कर में नीतीश कुमार का शासन पर जोर नहीं है और न ही ध्यान। साजिश तो उन्होंने की कि हमारे गृह मंत्री को रोक दिया। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि लोग गोली चला रहे हैं। दंगे हो रहे हैं, तो आप हम पर क्यों आरोप लगा रहे हैं।

गैस रिसाव से लगी भीषण आग, मासूम समेत दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में बड़ा हादसा हुआ है। घर में हुए देवी जागरण के बाद गैस रिसाव होने से मासूम और महिला की मौत हो गई। जबकि 16 लोग झुलस गए। झुलसे हुए लोगों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

» फर्रुखाबाद में हुआ बड़ा हादसा, 16 लोग झुलसे

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। कोतवाली कायमगंज के गांव भटासा के रहने वाले रामौतार के घर रात में देवी जागरण हुआ था। सुबह घर में ही खाना बन रहा था। गैस रिसाव से कमरे और घर में गैस भर गई। अचानक इसमें आग लगने से वहां मौजूद 16 लोग झुलस गए। 62 वर्षीय शांति देवी पत्नी ब्रजभान और चार वर्षीय आर्यान्श पुत्र मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई। झुलसे लोगों को सीएचसी लाया गया। जहां से लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। लोहिया अस्पताल में हालत गंभीर होने पर अनुज और अमरावती को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

अतीक का भरोसेमंद नौकर गिरफ्तार

उमेश पाल हत्याकांड, पुलिस का दावा- जल्द शूटरों तक पहुंचेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज । उमेश पाल हत्याकांड में शामिल शूटरों की क्रेटा कार में राइफल रखने वाले माफिया अतीक अहमद के भरोसेमंद नौकर को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से तमंचा, दो कारतूस भी बरामद हुआ। पूछताछ में उसने कई राज कबूले हैं। हत्या के बाद अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन ने उसे 50 हजार रुपये भी दिए थे, जिसे उसने शूटर अरमान के भाई तक पहुंचाया था।

अतीक के इस भरोसेमंद नौकर से मिली जानकारी के आधार पर जांच एजेंसियां शूटरों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी हैं। धूमनगंज पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि उमेश पाल हत्याकांड में शामिल अतीक का नौकर शेरवानी मोड़ से होकर सूबेदारगंज की तरफ जा रहा है। जानकारी मिलने के बाद प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने उच्चाधिकारियों को जानकारी दी और

फोर्स के साथ घेराबंदी कर ली। चौफटका पुल से आगे शेरवानी मोड़ के पास सूबेदारगंज रोड पर डबल खंभा के पास तलाशी ली जाने लगी। उसी दौरान सामने से पैदल जा रहे व्यक्ति को दौड़ाकर पकड़ लिया गया।

पूछताछ में उसने अपना नाम सारूप उर्फ शारूख पुत्र शमशेर निवासी पंडीरी , थाना करारी, जिला कौशाम्बी बताया। वह चकिया में अतीक के श्वसुर से मिलकर वापस जा रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का तमंचा और दो कारतूस मिला। इसके अलावा एक मोबाइल, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, आधार कार्ड भी उसके पास पाया गया। पूछताछ के दौरान उसके अतीक का नौकर होने की बात स्वीकार की।

50 हजार रुपये की रकम शाइस्ता परवीन ने दी थी

इनके अलावा एक मोटरसाइकिल से गुड्डू मुस्लिम और अरमान थे और दूसरी मोटरसाइकिल से विजय चौधरी व गुलाम हसन निकले थे। उमेश की हत्या के लिए सभी सात शूटरों को रवाना करते समय शाइस्ता परवीन, राकेश और अन्य नौकर भी वहां मौजूद थे। शारूख ने एसटीएफ को बताया कि हत्याकांड को अंजाम देने के बाद असद के कहने पर शाइस्ता परवीन ने उसे 50 हजार रुपये दिए थे। उस रुपये को असद के कहने पर उसने शूटर अरमान के भाई को ले जाकर दिया था।

अमृतपाल फरार, मेरठ पहुंची पंजाब पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। 15 दिन से ज्यादा होगए पर पुलिस को अमृतपाल का पता नही चल पार रहा। कभी नेपाल के रास्ते कनाडा भाग जाने की चर्चा के बाद पंजाब माहौल खराब करने के आरोपी को अब पुलिस यूपी के मेरठ में तलाश रही है।

पंजाब पुलिस के मोस्ट वांटेड अमृतपाल के मेरठ में आने की चर्चा ने पुलिस और खुफिया विभाग की नींद उड़ा दी है। पंजाब पुलिस भी मेरठ में डेरा डाले हुई है। हालांकि, पुलिस अधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं कर रही है, लेकिन पल्लवपुरम निवासी टेंपो चालक का दावा है कि पंजाब पुलिस ने उसे बुलाकर अमृतपाल के बारे में पूछताछ की है। चर्चा है कि अमृतपाल बेगमपुल से दौराला जाने वाले टेंपो में बैठा कर गया था। पल्लवपुरम निवासी टेंपो चालक का कहना है कि पहले उसे फोन कर पंजाब पुलिस ने बुलाया था, लेकिन वह नहीं गया। इसके बाद पंजाब पुलिस उसके घर पहुंच गई। पुलिस ने उसे अमृतपाल का फोटो दिखाकर उससे उसके बारे में पूछताछ की। उसने कोई जानकारी होने से इनकार किया तो पुलिस ने उससे कहा कि अमृतपाल बेगमपुल से उसके टेंपो में बैठा था। पुलिस बार-बार उससे अमृतपाल को कहां उतारा इस बारे में पूछती रही। टेंपो चालक का कहना है कि मुझे इस बारे में कुछ पता नहीं है तो मैं उन्हें क्या बताता। अमृतपाल के मेरठ आने की चर्चा पर स्थानीय पुलिस और खुफिया विभाग भी चौकन्ना हो गया है।

36 साल बाद भी याद है वो भयावह मंजर...

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में 36 साल पहले 23 मई 1987 को जो कुछ हुआ, उसे याद कर आज भी लोग दहल जाते हैं। छोटे से विवाद के बाद 72 लोगों की हत्या कर दी गई। मरने वाले सभी मुस्लिम समुदाय से थे। मेरठ के बाहरी इलाके में हुए इस भीषण नरसंहार का मामला तब पूरे देश में गरमाया था। अब इस मामले में आरोपी बनाए गए 93 आरोपियों में से 39 को बरी करने का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश ने मलियाना नरसंहार को लेकर कानून का दरवाजा खटखटाने वालों को निराश किया है।

कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में इन 39 आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया है। वहीं, इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने वाले 63 वर्षीय मोहम्मद याकूब के चेहरे की निराशा पूरी स्थिति को बयां करती है। वे सवाल करते हैं कि क्या मलियाना नरसंहार हमारी कल्पना थी? क्या 72 लोगों की मौत नहीं हुई?

» मलियाना नरसंहार : 93 आरोपियों में से 39 को बरी करने का आदेश

» मेरठ कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में देंगे चुनौती

हालांकि, वे कोर्ट के फैसले का सम्मान करने की बात दोहराते हैं। साथ ही, इस मामले में पीड़ितों का कहना है कि मेरठ जिला कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दी जाएगी। यह नरसंहार हुआ था। इसके दोषियों पर कार्रवाई होनी ही चाहिए।

क्या है मामला?

मलियाना नरसंहार अभी भी लोगों की जेहन में ताजा है। स्थानीय लोग बताते हैं कि नरसंहार से पहले कई सप्ताह से इलाके में तनाव चल रहा था। 14 अप्रैल 1987 की घटना को याद करते हुए लोग बताते हैं कि नौचंदी में मेला लगा हुआ था। इसी दौरान पटाखा फूटा और एक सिपाही को जा लगा। इसके बाद सिपाही ने गोली चला दी। गोलीबारी में दो मुस्लिमों की मौत हो गई। यहीं से तनाव बढ़ना शुरू हुआ। विवाद तब और बढ़ा जब हाशिमपुरा चौराहे पर एक धार्मिक समारोह में फिल्मी गाने बजाए जा रहे थे। इस दौरान विवाद हुआ। विवाद इतना बड़ा रूप ले लिया कि हिंदू और मुस्लिम आपस में भिड़ गए। दो समूहों में झड़प हुई। 23 मई 1987 को यह झड़प लूटपाट, आगजनी और दंगा में बदल गई। इस दंगे में 72 मुस्लिमों की मौत हुई।

ऐसे चला पूरा मामला

दंगा और 72 मुस्लिमों की मौत का मुद्दा गरमा गया। घटना में लोगों की मौत मामले पर तत्कालीन यूपी सीएम वीर बहादुर सिंह ने 27 मई 1987 को न्यायिक जांच के आदेश दिए। 29 मई को यूपी सरकार ने कथित तौर पर फायरिंग का आदेश देने वाले पीएसी कमांडेंट आरडी त्रिपाठी को सस्पेंड करने का आदेश दिया। इसके बाद से जांच और कोर्ट में मामला चलता रहा। मलियाना नरसंहार से एक दिन पहले 22 मई 1987 को एक अलग घटना घटी थी। मेरठ के हाशिमपुरा क्षेत्र से पीएसी के कर्मियों ने 42 मुसलमानों को घेर लिया। इन लोगों को गाजियाबाद के मुरादनगर स्थित ऊपरी गंगा नहर में ले जाया गया। आरोप है कि इन लोगों को गोली मारकर नहर में फेंक दिया। हाशिमपुरा नरसंहार में वर्ष 2018 में दिल्ली की एक कोर्ट ने फैसला सुनाया था, जिसमें पीएसी के 16 पूर्व कर्मियों को दोषी ठहराया गया। 19 अप्रैल 2021 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में दायर पीआईएल पर यूपी सरकार से सवाल किया। दरअसल, सीनियर पत्रकार कुर्बान अली और प्रदेश के पूर्व डीजीपी विभूति नारायण राय की ओर से मामले की धीमी कोर्ट प्रक्रिया को लेकर पीआईएल दाखिल किया गया था। 1 अप्रैल 2023 को मेरठ जिला कोर्ट ने इस मामले में 39 आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।